उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग
पिकप भवन, तृतीय तल, गोमती नगर, लखनऊ।
संख्या- 183 /46/चार/आयोग/2023
लखनऊ दिनांक- 25 जून, 2026

आवश्यक सूचना

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ के विज्ञापन संख्या- 01-परीक्षा/2024, भेषजिक (आयुर्वेदिक) मुख्य परीक्षा (प्रा0अ0प0-2023)/01 के अंतर्गत आयुर्वेद निदेशालय, उत्तर प्रदेश के नियंत्रणाधीन भेषजिक (आयुर्वेदिक) के सीधी भर्ती के रिक्त कुल **1002 पदों** पर चयन हेतु भारत के नागरिकों से दिनांक- 12-02-2024 से 03-03-2024 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गये थे।

उक्त विज्ञापन के प्रस्तर-9 में उल्लिखित है कि "परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम के संबंध में यथासमय पृथक से सूचित किया जायेगा।"

तदनुक्रम में सूच्य है कि शासन के पत्र संख्या- 521/47-का-3-2024, दिनांक- 11-09-2024 द्वारा उक्त विज्ञापन में विज्ञापित पदों पर लिखित परीक्षा के लिए परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

अतः आयोग के विज्ञापन संख्या- 01-परीक्षा/2024, भेषजिक (आयुर्वेदिक) मुख्य परीक्षा (प्रा0अ0प0-2023)/01 के अंतर्गत आवेदन करने वाले समस्त अभ्यर्थियों के सूचनार्थ **भेषजिक (आयुर्वेदिक)** के रिक्त पदों पर चयन हेतु शासन द्वारा अनुमोदित लिखित परीक्षा हेतु परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम प्रकाशित किया जा रहा है।

संलग्नक- उपरोक्तानुसार।

25/06/2026
(सुभाष चन्द्र प्रजापति)
परीक्षा नियंत्रक।

SarkariResult.com

भेषजिक (आयुर्वेदिक) के सीधी भर्ती के रिक्त पदों पर चयन हेतु लिखित परीक्षा की परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम

प्रश्नगत परीक्षा में एक प्रश्नपत्र होगा, जिसमें कुल 100 प्रश्न होंगे तथा समयावधि दो घण्टा होगी। परीक्षा के प्रश्न वस्तुनिष्ठ एवं बहुविकल्पीय प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। लिखित परीक्षा हेतु प्रत्येक गलत उत्तर के लिए ऋणात्मक अंकन (निगेटिव मार्किंग) का प्रावधान है, जो उस प्रश्न हेतु निर्धारित अंक का 25 प्रतिशत अर्थात ¼ होगी।

परीक्षा योजना

परीक्षा के भाग, विषय, प्रश्नों की संख्या, कुल अंक और समयावधि नीचे दिये गये विवरण के अनुसार होगा-

भाग	विषय	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक	समयावधि
भाग-1	1. - आयुर्वेद परिचय एवं स्वस्थवृत	05	05	दो घण्टा (120 मिनट)
	2. - रचना शारीर एवं क्रिया शारीर	05	05	
	3. - द्रव्यगुण एवं द्रव्य परिचय	20	20	
	4. - रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना	20	20	
	5. - रूग्ण परिचर्या एवं व्यवहार आयुर्वेद	10	10	
	6. - रोग परिचर्या एवं चिकित्सा	05	05	
भाग-2	कम्प्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणाओं एवं इस क्षेत्र में समसामयिक प्रौद्योगिकी विकास एवं नवाचार का ज्ञान	15	15	
भाग-3	उत्तर प्रदेश राज्य से संबंधित सामान्य जानकारी	20	20	
योग		**100**	**100**	

नोट- उपर्युक्त परीक्षा हेतु प्रत्येक गलत उत्तर के लिए ऋणात्मक अंकन (निगेटिव मार्किंग) का प्रावधान है, जो उस प्रश्न हेतु निर्धारित अंक का 25 प्रतिशत अर्थात ¼ होगी।

पाठ्यक्रम

भाग-1

(विषयगत ज्ञान)

1- आयुर्वेद परिचय एवं स्वस्थवृत

1. अष्टांग आयुर्वेद का सामान्य ज्ञान, आयु, आरोग्य, पुरूषार्थ चतुष्टय एवं चिकित्सा के चतुष्पाद का सामान्य ज्ञान।
2. दिनचर्या, ऋतुचर्या एवं रात्रिचर्या का सामान्य ज्ञान।
3. वायु, वातायन, जल, जलशोधन, आहार, आहार-विधि, उपवास, ब्रह्मचर्य का ज्ञान।
4. जनपदोध्वंस, संक्रामक रोग, दूषित जल एवं दूषित वायु जन्य व्याधियाँ।
5. जनसंख्या वृद्धि जन्य समस्यायें एवं परिवार कल्याण से सम्बन्धित विभिन्न योजनाओं एवं उपायों का ज्ञान।

2- रचना शारीर एवं क्रिया शारीर

1. शरीर के अंग, प्रत्यंग, कोष्ठ एवं कोष्ठांग का सामान्य परिचय।
2. रक्त का संगठन एवं कोशिका एवं उतक का सामान्य परिचय।
3. रक्तवह संस्थान, पाचन संस्थान, श्वसन संस्थान, अस्थि संस्थान, मूत्रवह संस्थान, प्रजनन संस्थान, नाड़ी संस्थान का सामान्य परिचय एवं उनके कार्य।
4. अंतःस्त्रावी ग्रंथियों के नाम, उनसे निकलने वाले स्राव एवं उनके कार्य।
5. दोष, धातु तथा मलों का सामान्य परिचय।

3- द्रव्यगुण एवं द्रव्य परिचय

1. द्रव्यगुण शास्त्र की परिभाषा एवं रस , गुण, वीर्य, विपाक एवं प्रभाव का ज्ञान।
2. अनुलोमन, दीपन, पाचन, ग्राही, स्तम्भन, रसायन, वमन, विरेचन, वाजिकरण, विषघ्न आदि कर्मो की परिभाषा।
3. वृहतपंचमूल, लघुपंचमूल, तृणपंचमूल, कंटकपंचमूल, वल्लीपंचमूल, त्रिफला, त्रिकटु, त्रिमद, चतुरूषण, षड्डषण, चतुर्बीज, अष्टवर्ग, त्रिजात, पंचतिक्त आदि मिश्रक गणों का परिचयात्मक ज्ञान एवं गुण कर्म।
4. निम्न औषधीय द्रव्यों का नाम , वानस्पतिक नाम, कुल, रस, गुण, वीर्य, विपाक, प्रभाव, मात्रा, विशिष्ट योग एवं आमयिक प्रयोग का ज्ञान- हरीतकी, बिभीतकी, आमलकी, शुंठी, पिप्पली, मरिच, चित्रक, जीरक, यवानी, विडंग, यष्टीमधु, आरग्वध, कुटकी, चिरायता, मदनफल, काकमाची, कर्कटश्रृंगी, अश्वगन्धा, शतावरी, अपामार्ग, गुडूची, निम्ब, कुमारी, पुनर्नवा, वासा, अर्क, शंखपुष्पी, शोभांजन, अर्जुन, खदिर।
5. निम्न वर्गों का सामान्य परिचयात्मक तथा गुण कर्मात्मक ज्ञान- (क) क्षार वर्ग, (ख) सुगन्ध वर्ग, (ग) क्षीरी वर्ग, (घ) विषोपविष वर्ग (शोधन, औषधीय मात्रा एवं विशिष्ट योग) (ङ) पुष्प वर्ग , (च) फल वर्ग, (छ) धान्य वर्ग तथा (ज) तैल वर्ग।

4- रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना

1. पारद का परिचय, शोधन, अष्टसंस्कार, गुण कर्म एवं मात्रा का सम्यक् ज्ञान , महारस, उपरस, साधारणरस, धातु उपधातु, रत्न, उपरत्न, सुधा एवं सिकता वर्ग में वर्णित द्रव्यों का स्वरूप , भेद, शोधन, मारण, सत्वपातन, अमृतीकरण, पिष्टीकरण, गुण, मात्रा तथा उनके प्रमुख योग, विभिन्न पुटों एवं यन्त्रों का ज्ञान।
2. पंचविध कषाय कल्पना , गुग्गुलु कल्प, लवण, मसी कल्प, अयस्कृति एवं क्षार सूत्र का परिचय , परिभाषा तथा उनकी निर्माण विधि, मात्रा एवं आमयिक प्रयोग का ज्ञान।
3. प्रचलित रस, रसायन एवं सिद्ध योगों के घटक द्रव्य , मात्रा एवं आमयिक प्रयोगों का ज्ञान। शास्त्र में वर्णित विविध मान एवं वर्तमान मान का ज्ञान।
4. औषधि वितरण व्यवस्था, व्यवस्थापत्र एवं सांकेतिक चिन्हों का ज्ञान।
5. औषधि संग्रह रजिस्टर की पूर्ति एवं संरक्षण , चिकित्सालय में प्रयुक्त होने वाली औषधियों की सूची (इन्डेण्ट) का निर्माण संबंधी ज्ञान।

SarkariResult.com

5- रूग्ण परिचर्या एवं व्यवहार आयुर्वेद

1. वैद्य, कम्पाउंडर तथा परिचारक के गुण एवं कर्तव्य।
2. चिकित्सालय में प्रयुक्त होने वाले यन्त्र वस्त्रादि का शोधन तथा विसंक्रमण।
3. चिकित्सालय में रोगी भर्ती के नियम, रोगी परीक्षण एवं जाँच तथा शैय्या आदि के सम्बन्ध में सामान्य ज्ञान।
4. औषधि प्रयोग तथा रोगी में होने वाले विभिन्न लक्षणों जैसे तापादि के निराकरण की जानकारी।
5. पथ्यापथ्य का विस्तृत ज्ञान।
6. रोग भेद से परिचर्या तथा भेद का विवरण।
7. रोगी की मृत्यु होने की सम्भावना होने पर परिचारक के नियम तथा शव प्रबंधन।
8. विभिन्न आपातकालीन स्थितियों में प्राथमिक उपचार का विस्तृत ज्ञान।
9. शल्य क्रिया के पूर्व एवं पश्चात कर्म तथा संज्ञाहरण का ज्ञान।

6- रोग परिचर्या एवं चिकित्सा

1. व्याधि की परिभाषा, सामान्य कारण, भेद, अधिष्ठान, दोषों की अवस्थाएं, प्राकृत एवं वैकृत दोष, नानात्मज विकार।
2. निदान पंचक, त्रिविध एवं अष्टविध परीक्षा, दैनिक नैदानिक यन्त्र शोधन एवं संरक्षण
3. चिकित्सा परिभाषा, चिकित्सा के चतुष्पाद
4. पंचकर्म के पूर्वकर्म, प्रधान कर्म एवं पश्चात कर्म।
5. बाल रोग, सूतिकारोग, ऊर्ध्वजत्रुगत रोग, अस्थिसंधि रोग, सामान्य उदर रोग, यकृत, प्लीहा, फुफ्फुस एवं हृदय रोग, त्वचा, यौन एवं मूत्र रोग, रक्त पित, वात व्याधि, ज्वर, मानसिक रोग एवं संक्रामक रोगों का सामान्य परिचय। सामान्य चिकित्सा एवं घरेलू उपचार।

भाग-2

(कम्प्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणाओं एवं इस क्षेत्र में समसामयिक प्रौद्योगिकी विकास एवं नवाचार का ज्ञान)

- कम्प्यूटर, सूचना तकनीकी, इन्टरनेट एवं वर्ल्ड वाइड वेब (WWW) का इतिहास, परिचय एवं अनुप्रयोग।
- निम्नलिखित बिन्दुओं सम्बन्धी सामान्य ज्ञान-

  1 हार्डवेयर एवं साफ्टवेयर।
  2 इनपुट एवं आउटपुट।
  3 इन्टरनेट प्रोटोकॉल/आई0पी0 एड्रेस।

SarkariResult.Com

4 आई0टी0 गैजेट एवं उनका अनुप्रयोग।

5 ई-मेल आई0डी0 को बनाना एवं ई-मेल का प्रयोग/संचालन।

6 प्रिंटर, टेबलेट एवं मोबाइल का संचालन।

7 वर्ड प्रोसेसिंग (MS-Word) एवं ऐक्सेल प्रोसेसिंग (MS-Excel) के महत्वपूर्ण तत्व।

8 ऑपरेटिंग सिस्टम, सोशल नेटवर्किंग, ई-गवर्नेंस।

- डिजिटल वित्तीय उपकरण और अनुप्रयोग।
- भविष्य के कौशल और साइबर सुरक्षा।
- कम्प्यूटर और सूचना प्रौयोगिकी के क्षेत्र में होने वाले तकनीकी विकास एवं नवाचार (आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स, बिग डेटा प्रोसेसिंग, डीप लर्निंग, मशीन लर्निंग, इन्टरनेट ऑफ थिंग्स) तथा इस क्षेत्र में भारत की उपलब्धियाँ आदि।

भाग-3

(उत्तर प्रदेश राज्य से संबंधित सामान्य जानकारी)

प्रश्न पत्र के इस भाग से उम्मीदवारों से उत्तर प्रदेश का इतिहास, संस्कृति, कला, वास्तुकला, त्योहार, लोक नृत्य, साहित्य, क्षेत्रीय भाषायें, विरासत, सामाजिक रीति-रिवाज और पर्यटन, भौगोलिक परिदृश्य एवं पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधन, जलवायु, मिट्टी, वन, वन्यजीव, खान और खनिज, अर्थव्यवस्था, कृषि, उद्योग, व्यवसाय और रोजगार, राजव्यवस्था एवं प्रशासन तथा समसामयिक घटनाओं एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश राज्य की उपलब्धियाँ आदि पर आधारित प्रश्न पूछे जायेंगे।

Examination Plan and Syllabus of written examination for selection on vacant posts of direct recruitment of Pharmacist (Ayurvedic)

There will be one question paper in the written examination, which will contain 100 questions and the total time duration will be two hours. The questions of the examination will be objective and multiple choice type. Each question will be of one mark. There is a provision of negative marking for each wrong answer for the examination, which will be 25 percent i.e. ¼ of the marks prescribed for that question.

Examination Plan

The parts of examination, subject, number of questions, total marks and time period will be as per the details given below-

Part	Subject	Number of Questions	Total Marks	Time Period
Part-1	1. - Ayurveda Parichaya Evam Swasthavritta	05	05	

	2. - Rachana Sharir and Kriya Sharir	05	05	Two Hours (120 Minutes)
	3. - Dravyagun And Dravya Parichaya	20	20	
	4. - Rasa Shastra Evam Bhaishajya Kalpana	20	20	
	5. - Rugna Paricharya Evam Vyavhar Ayurved	10	10	
	6. - Rog Paricharya & Chikitsa	05	05	
Part-2	Knowledge of concepts of Computer and Information Technology and Contemporary Technological Development and Innovation in this field	15	15	
Part-3	General Information related to the state of Uttar Pradesh	20	20	
Total		**100**	**100**	

Note- There is a provision of negative marking for each wrong answer for the above examination, which will be 25 percent i.e. ¼ of marks prescribed for that question.

SYLLABUS
Part-1
(Subject related Knowledge)

1- Ayurveda Parichaya Evam Swasthavritta

1. General knowledge of eight pillars (Ashtang) of Ayurveda, life, health, four purushartha and general knowledge of four pillars of therapy.
2. Daily regimen, seasonal regimen, nocturnal regimen.
3. Knowledge of air, ventilation, water, water purification, diet, rules of diet intake, fasting, brahmacharya (Celibacy).
4. Epidemics, infectious diseases, diseases caused by polluted water and polluted air.
5. Problems caused by population growth and knowledge of various schemes and measures related to family welfare.

2- Rachana Sharir and Kriya Sharir

Sarkariresult.com

1. General introduction of anga, pratyanga, kostha and kosthanga of the body.
2. Composition of blood and general introduction of cell and tissues.
3. General introduction of circulatory system, digestive system, respiratory system, bone system, urinary system, reproductive system, vascular system and their functions.
4. Name of endocrine glands, secretions from them and their functions.
5. General introduction of dosha, dhatus and malas.

3- Dravyagun And Dravya Parichaya

1. Definition of dravyagun shastra and knowledge of rasa, guna, virya, vipak and prabhav.
2. Definition of actions like anuloman, deepan, digestion, grahi, stambhan, rasayan, vaman, virechana, vajikaran, vishaghna etc.
3. Introductory knowledge and qualities of mishrak ganas like brihatpanchmool, laghupanchmool, trinapanchmool, kantakpanchmool, vallipanchmool, triphala, trikatu, trimad, chaturushana, shadushan, chaturbeej, ashtavarga, trijata, panchatikta etc.
4. Knowledge of the name, botanical name, family, ras, gun, virya, vipak, effect, quantity, specific yoga and therapeutic uses of the following dravyas- haritaki, vibhitaki, amalki, shunthi, pippli, marich, chitrak, jeerak, yavani, vidang, yastimadhu, aragwadh, kutki, chirayta, madanphal, kakmachi, karkatshringi, aswgandha, shatavari, apamarg, guduchi, nimb, kumari, punarnava, vasa, ark, shankhpushpi, shobhanjan, arjun, khadir.
5. General introductory and functional knowledge of the following vargas-

   (a) Kshar Varg, (b) Sugandh Varg, (c) Kshiri Varg, (d) Vishoupvish Varg (Purifiacation, Therapeutic Doses and formulations), (e) Pushp Varg, (f) Phal Varg, (g) Dhanya Varg, (h) Tail Varg.

4- Rasa Shastra Evam Bhaishajya Kalpana

1. Introduction of parada, purification, ashta sanskar, guna, karma and knowledge of therapeutic dose, maharasa, uprasa, sadharanrasa, dhatu, updhatu, ratna, upratna, substances described in sudha and sikta- forms, types, shodhan, maarana, satvapatana, amrutikaran, pishtikaran, properties, therapeutic dose and their various yoga, knowledge of various putas and yantras.
2. Introduction, definition of panchvidh kashay kalpana, guggulu kalp, salt, masi kalp, ayaskriti and kshar sutra and knowledge of their preparation method, quantity and common use.
3. Knowledge of ingredients, dose and indication of generally used popular

rasa, rasayana and siddha yoga. Knowledge of contemporary mana and various mana mentioned in the scriptures. (Mana=Measurement)

4. Knowledge of drug distribution system, prescription and its symbolic signs.
5. Knowledge of fulfilment of drug collection register and its preservation along with formation of indent of medicine to be used in the hospital.

5- Rugna Paricharya Evam Vyavhar Ayurved

1. Duties and responsibilities of physician, compounder and attendant.
2. Cleaning and disinfection of instruments, clothes etc used in the hospital.
3. General knowledge regarding rules of patient admission in hospital, patient examination and testing and beds etc.
4. Information about use of medicines and remedies of various symptoms occurring in the patient like temperature etc.
5. Detailed knowledge of pathyapathya.
6. Detailed knowledge of regimen of patient as per disease wise.
7. Duties of attendant in possibility of patient's death and management of dead body.
8. Detailed knowledge of First-Aid in different emergency conditions.
9. Knowledge of pre & post-operative care of patient and knowledge of anesthesia.

6- Rog Paricharya & Chikitsa

1. Definition of vyadhi, common causes, types, adhisthana, stages of doshas, prakrit and vaikrit doshas, nanatmaj vikar.
2. Nidan panchak, trividh and ashtvidh pariksha, sterlization and preservation of diagnostic instruments of routine use.
3. Defination of chikitsa and chatuspad of chikitsa.
4. Purva karma, pradhan karma and pashchat karma of panchkarma.
5. General introduction of bal rog, sutikarog, urdhvajatrugat rog, asthisandhi rog, common abdominal diseases, liver, spleen, lung and heart diseases, skin, sexual and urinary diseases, rakt pitt, vat vyadhi, jwar, mental diseases and infectious diseases. General treatment and home remedies.

Part-2

(Knowledge of Concepts of Computer and Information

Technology and Contemporary Technological Development and Innovation in this field)

- History, Introduction and Application of Computer, Information Technology, Internet and World Wide Web (WWW).
- General knowledge related to:

  1 Hardware and Software.
  2 Input and Output.
  3 Internet Protocol/IP Address.
  4 IT gadgets and their application.
  5 Creation of e-mail ID and use/operation of e-mail.
  6 Operation of Printer, Tablet and Mobile.
  7 Important elements of Word Processing (MS-Word) and Excel Processing (MS-Excel).
  8 Operating System, Social Networking, e-Governance.

- Digital Financial Tools and Applications.
- Future Skills and Cyber Security.
- Technological Development and Innovation in the field of Computer and Information Technology (Artificial Intelligence, Big Data Processing, Deep Learning, Machine Learning, Internet of Things) and India's achievements in this field etc.

Part-3

(General Information related to The State of Uttar Pradesh)

In this Part of the question paper, questions based on History, Culture, Art, Architecture, Festivals, Folk Dance, Literature, Regional Languages, Heritage, Social Customs and Tourism, Geographical Landscape and Environment, Natural Resources, Climate, Soil, Forest, Wildlife, Mines and Minerals, Economy, Agriculture, Industry, Business and Employment, Polity, Administration of Uttar Pradesh and Current Events and Achievements of Uttar Pradesh State in various fields etc. will be asked from the candidates.

SarkariResult.com